

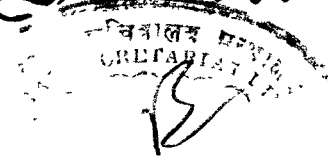


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 206]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 6, 1981/कार्तिक 15, 1903

No. 206]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 6, 1981/KARTIKA 15, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 56 आई टी सी पीएन 81

नई दिल्ली 6 नवम्बर, 1981

विषय:— 1981-82 वर्ष के लिए येन एक बिलियन के जापानी
अनुदान सहायता के अधीन उर्वरक (यूरिया) के आयात के
संबंध में लाइसेंस शर्तें।

मि० सं० आई०पी०सी०/23(19)/81:—1981-82 वर्ष के लिए
येन एक बिलियन के जापानी अनुदान सहायता के अधीन जापान
से उर्वरक (यूरिया) के आयात के संबंध में लाइसेंस जारी करने के
लिए शासित होने वाली जैसी शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट
में दी गई हैं, वे जानकारी के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

हस्ताक्षरित/-

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 56-आई०टी०सी०
(पीएन)/81 दिनांक 6 नवम्बर, 1981 के लिए परिशिष्ट

1981-82 के लिए येन एक बिलियन (येन 1,000,000,000) के
जापानी अनुदान सहायता के अधीन जापान से (क) उर्वरक (यूरिया)
और (ख) भारत के पत्तनों के लिए उर्वरक ले जाने के लिए आवश्यक
सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस शर्तें:

खण्ड-1 सामान्य शर्तें :

1(1) 1981-82 के लिए येन एक बिलियन (लागत तथा भाड़ा)
के जापानी अनुदान सहायता का अभिप्राय उर्वरक (यूरिया) के आयात
के लिए जापानी संभरकों को भुगतानों के वित्तदान और भारत के पत्तनों
के लिए उनको ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए उपयोग करना
है।

1(2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर येन
1.110 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) मूल्य से कम के लिए जारी
किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक "1981-82 के लिए येन
एक बिलियन जापानी अनुदान सहायता" होना चाहिए। प्रथम और
द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस संकेत "एम/जे एन" होगा।

1(3) बैंक आफ इण्डिया, टोकियो को बैंक खर्च जिसका प्रेषण सामान्य
बैंक प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, के अतिरिक्त विदेशी मुद्रा
यदि कोई हो के किसी भी प्रेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति
नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति यदि कोई हो
तो कोई भी भुगतान अधिकर्ता को भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए। लेकिन
ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इसलिए लाइसेंस
पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(4) इस अनुदान सहायता के अधीन उर्वरक (यूरिया) केवल
जापान से प्राप्त किया जाना चाहिए।

1(5) आयात लाइसेंस 31-3-1982 तक की प्रारम्भिक अवधि
के साथ लागत बीमा भाड़ा के आधार पर जारी किया जाएगा। यदि

लाइसेंसधारी और आगे समय वृद्धि चाहता है तो उसे चाहिए कि वह आयात लाइसेंस को वैधता अवधि में वृद्धि के अपने प्रस्ताव को मुद्रा, अनियंत्रक, आयात-निर्यात को प्रस्तुत करे और उसके साथ इस संबंध में पूर्ण प्रौचित्य और स्पष्टीकरण दें कि प्रारम्भिक वैधता अवधि के भीतर पोत-सदान और भुगतान क्यों नहीं पूर्ण किए जा सके। ऐसे आवेदन निरपवाद रूप से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा लिए उप-सचिव (टी०ए०) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को विचारार्थ भेजे जाने चाहिए।

1(6) संविदा में नहर आधार पर अग्रानु बैंक आफ इण्डिया टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतसदान वस्तुओं को प्रस्तुत करने पर भुगतान को व्यवस्था होनी चाहिए। उन्हें सुदुर्गो, को अग्रानु के लिए भी इन प्रकार वारंश होते चाहिए।—

“सुदुर्गो 15-3-1982 तक पूर्ण की जानी है”

1(7) संविदा का मुख्य (केवल लागत तथा भाड़ा आधार पर) येन में वर्णित जाना चाहिए (येन के भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकर्ता का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रुपये या अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत बीमा और भाड़ा धन राशि अलग-अलग प्रदर्शन की जा सकती है परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निदिष्ट किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्चों के प्रतिरिक्त देय धनराशि होगी।

1(8) क्रय संविदा केवल जापानी राष्ट्रों को या जापानी राष्ट्रों द्वारा नियंत्रित जापानी न्यायिक व्यक्तियों के तौर की जानी चाहिए। संभरकों की पक्षता को वर्णित हुए एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) प्रत्येक संविदा के साथ लगाया जाना चाहिए।

खण्ड-2 समरण ठेकों में निम्नलिखित शर्तें विशेषरूप से समाविष्ट होनी चाहिए :—

2(1) 1981-82 के लिए एक विलियन के अनुदान सहायता से सम्बद्ध इस संविदा की व्यवस्था 17 जुलाई, 1981 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस “भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1981-82 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, प.नियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हो।

2(4) जापानी संभरक भारतीय रूतावास, टोकियो के परामर्श से पोतसदान की व्यवस्था करने को तैयार है और उसके लिए सम्बन्धित मास की सुदुर्गो के कार्यक्रम की भारतीय रूतावास टोकियो को सूचना देगा और अपेक्षित पोत परिवहन के लिए चार मास पहले ही भारतीय रूतावास, टोकियो को अधिसूचित करवाएगा जिससे उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में जहां भारतीय आयातक यह चाहता हो अधिसूचना की अवधि कम की जा सकती है। आवश्यक ब्योरे देते हुए प्रत्येक पोतसदान के बाद जापानी संभरक को आयातक को केवल सूचना भेजने के लिए भी सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय रूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड 3—[भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन]—

3(1) जैसे ही आवेशों को अंतिम रूप दे दिये जाते हैं लाइसेंस-धारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रय आदेश के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आवेश की चार प्रतियां या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध-1 के प्रपत्र में “ए/पी जारी करने के आवेदन” की 2 प्रतियों सहित संगत वैध आयात लाइसेंस की 2 फोटो प्रतियां, प्रवर सचिव (टी०ए०) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय वस्तु या उस की कीमत के आवश्यक प्राशोधनों से उत्पन्न सभी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2) यदि ठेके के दस्तावेज “ए/पी” जारी करने के लिए आवेदन पत्र और अन्य संबंधित दस्तावेज सही पाए जाएं तो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) जापान अनुभाग ठेके का अनुमोदन करेगा और उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेज के एक सेट को सहायक लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के राजदूतावास, टोकियो को भेजने की व्यवस्था करेगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद आर्थिक कार्य विभाग, का जापान अनुभाग वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, संभव मार्ग, नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को अनुबन्ध-2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के टी० सी० एम० अनुभाग को भेजी जाएंगी।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) को प्राप्ति के बाद बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अवगत कराएगा।

3(5) पोतसदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकरो के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को जापानी संभरक को अपने बैंकरो के माध्यम से निह्ना करेगा।

3(6) जापानी संभरक को भुगतान को व्यवस्था करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से सम्बद्ध बैंक द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को धन प्रेषित करके निर्णीत किया जाएगा।

खण्ड-4 खया जमा करने का उत्तरदायित्व

4(1) मूल विनियम पोत परिवहन दस्तावेज साथ ही साथ बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक को सम्बद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक को अनुबन्ध 1 के प में उल्लिखित है, की शब्दा को भी उस बैंक को दस्तावेजों के ये विनियम सेट केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही संबद्ध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन धनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहां वेन योग्य है ब्याज के खर्च सहित संभरक को भुगतान कर दिया है। और उस धन राशि पर जापानी संभरक को बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 9%—

प्रतिवर्ष की दर से और शेष भ्रवधि के लिए 15% प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटी० सी० (पी०-एन)/76, दिनांक 16-6-76 के अनुसार सरकारी लेखों में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों, प्रत्येक दिन जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखों में रकमा जमा किया जात है, के लिए देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना संख्या-103 आई टी सी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना संख्या 74-आईटीसी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 भुगतानों की वेब धनराशि के बराबर रुपए की गणना करने के लिए भ्रवनाई जाने वाली विविध दर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी(पीएन)/76 दिनांक 17-1-76 में निर्धारित मुद्रा विनिमय की मिश्रित दर हाना व। वह दर होगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस संबंध में कोई भी परिवर्तन जब और जैसा ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करना कि उत्तरदायित्व संबंध भारतीय बैंक का होगा कि आयात वस्तुओं के आयातकों को सोपने से पहले ही वेब धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। लाइसेंसधारी को भी यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि अपने बैंकों से वस्तुओं लेने से पहले ही वेब धनराशि लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त गारा जमा करा जाय, वह "के डिपोजिट एण्ड एडवांसज 843 मिनिंग डिपोजिट-डिपोजिट फोर परचेजिंग एटसट्ट एंड परचेजिंग ग्रन्ड ग्रान्ड ऐड फाम गवर्नमेंट ऑफ जापान फार 1981-82 ग्रान्ट फार परचेजिंग ऑफ फटिलाइजर/मिनिंग फार बि ट्रांसपोर्टेशन ऑफ फटिलाइजर टू पोर्टल इन इंडिया" है।

4(2) उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में सरकार की साख में नकद जमा होनी चाहिए। या यदि वह सुविधाजनक न हो तो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा या इसके उपतंगी किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (टुण्डी कर्ता) से प्राप्त एक टुण्डी (डिमांड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (टुण्डी ग्राहम और प्रापक) की सार्वजनिक सूचना सं० 184-आईटीसी(पी एन)/68, दिनांक 30-8-68, संख्या 233-आईटीसी(पीएन)/68, दिनांक 24-10-68, संख्या 132-आईटीसी(पीएन)/71 दिनांक 5-10-76, सं० 74-आईटीसी-(पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन प्रेषण करना चाहिए।

4(3) सरकार द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद मात्र दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह प्रतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए। आलाप के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना संख्या 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना संख्या 132-आईटीसी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं० 74-आई टीसी(पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 में भी निर्धारित सूचना आलाप के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण और" में निरूपण रूप से निविष्ट किए गए हैं। खजाना आलाप में निम्नलिखित ब्योरे निरूपण रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :-

(क) वित्त मंत्रालय भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की सं० और दि०।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में भ्रवनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) जापानी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

(घ) चुकाए गए ब्याज की धनराशि और वह भ्रवधि जिसके लिए वह गिना गया है।

(ङ) जमा की गई कुल धनराशि।

(ब्याज की गणना जापानी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में समतुल्य रूपका जमा करने की तिथि तक की भ्रवधि के लिए की जानी है)

उसके पश्चात् सी०ए०ए० एण्ड ए० द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का संवर्ग देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन वस्तुओं को संलग्न करने हुए खजाना आलाप रकमा जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी०ए०ए० एण्ड ए० को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :- भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपए का निक्षेप बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो में आयातकी सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान वस्तुओं की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरूपण का से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी०ए०ए० एण्ड ए०, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में सम्बद्ध बैंक ऑफ इंडिया, को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रकमा निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एन" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को भेजना चाहिए।

खण्ड-5-विविध शर्तें :

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्टें

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोत लदानों और उनके प्रधान किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोत लदान होने बाकी हैं उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी०ए०ए० एण्ड ए० आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू०सी०ग्री० बैंक बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत भाल के आयात से संबंधित किसी ऐसी विशेष शर्त से संभरक को भ्रवगत करावे जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डालती हो।

5(3) विवाद :

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त साफ-साफ "भुगतान के नियमों" में अनुबंध-1 में आयातक द्वारा दर्शाई जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्तें ठेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

5(4) अधिक्य अनुदेश

आयातों या उनके संबंध में उत्पन्न किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित जापान से 1981-82 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आयातों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों या अनुदेशों या आदेशों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

5(6) अनुबंध की सूची

अनुबंध 1. भुगतान के लिए प्राधिकारपत्र (ए/पी) जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रपत्र ।

अनुबंध 2. भुगतान के लिए प्राधिकारपत्र (ए/पी) का प्रपत्र ।

(8) पोट लदान समुदेश (बाह्योत्तरण/पाट) शिममेंट की अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट की जाए ।

(9) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।

महोदय,

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना-पत्र
सं० दिनांक

सेवा में,

सहायता सेवा तथा सेवा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,
यू० सी० प्रो० बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पासियामेंट स्ट्रीट,
नई दिल्ली-110001

विषय:—1981-82 के लिए एक बिलियन येन को जापानी भुगतान सहायता के अंतर्गत जापान से भारतीय पत्तों पर उर्वरक लाने के लिए उर्वरक (यूरिया) और आवश्यक सेवाओं का आयात ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित भुगतान सहायता के अंतर्गत जापान से उपर्युक्त उर्वरक के आयात के संबंध में सम्बद्ध जापानी संस्मरण के नाम में बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत करते हैं :—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस तक वैध है ।

(ग) प्राप्ति के तरीके क्या यह सीधे क्रय या सोमित खुले अंतर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है । इसके मामले में यदि कोई कारण ही तो कारण सहित यह संकेतित होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण ।

(ङ) माल का उद्गम देश ।

(च) संविदा का कुल लागत-भाड़ा मूल्य (येन में) ।

(छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपए में भुगतान की जाने वाली भारतीय एजेंट के कमिशन की धनराशि ।

(ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है ।

(झ) जापानी संस्मरणों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक ।

(झ) जापानी संस्मरण का नाम और पता और पात्रता प्रमाण-पत्र संलग्न करें (दो प्रतियों में) ।

(ट) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथि जिनकी संविदों के अंतर्गत भुगतान से होनी ।

(ठ) सुपुर्वाई को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि ।

(ड) भारतीय बैंक टोकियो की भुगतान करते समय दिए जाने वाले वस्तावेज (प्रत्येक सेट की सं० और निपटान) का संकेत करें। वस्तावेज सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए ।

मिसिल संख्या

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक ऑफ इण्डिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:— 1981-82 के लिए एक बिलियन येन की जापानी भुगतान सहायता के अंतर्गत उर्वरक (यूरिया) के आयात के लिए प्राधिकार-पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

1. आपके बैंक के साथ किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न ब्यौरे (जो परिशिष्ट में दर्शाए गए हैं) के अनुसार सर्वश्री के नाम में येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. ऊपर भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संस्मरणों की सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय की पृष्ठांकित की जाए ।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा संकेतित लदान वस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा ।

4. आयातक द्वारा आपको वस्तावेज को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भुगतान किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े और विदेशियों संस्मरणों, बैंकरों के भाड़े यदि कोई हो तो, आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे ।

5. जैसे ही संस्मरण द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान वस्तावेज के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए ।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए किसी भी संशोधन पर विचार नहीं किया जा सकता है ।

7. यह भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा ।

महोदय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उनके पत्र संख्या दिनांक के अधीन ।

2. आयातक का बैंक उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकायी गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना संख्या 8-आईटीसी(पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार जापानी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से सरकार के लेखे में तुल्य रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं० 46 आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 16-6-76 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 9% वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 15% की दर से ब्याज भी सरकारी लेखे में जमा कराना होगा। ब्याज दोनों दिनों के लिए दिया जाएगा अर्थात् वह तिथि जिनको जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि को जिसको सरकारी लेखे में रुपया निक्षेप किया जाता है। (इस दर में यदि कोई परिवर्तन किया गया तो तुरन्त उसकी सूचना दी जाएगी)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की किसी शाखा या इसकी अनुबंधी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (आदेशित और आवाता) के नाम में और उसको देय वर्गनी हुण्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आचका ध्यान सार्वजनिक सूचना संख्या-233-आईटीसी(पीएन)/68, दिनांक 24-10-68, सं० 132 आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103-आईटीसी(पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर दिनाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह 'के-जिपोजिट्स एंड एडवांसिज' 843 दिविज जिपोजिट्स-जिपोजिट्स फार परचेजिस एक्सेस्ट्रा एन्नाड-परचेजिस ग्रॉट एंड फ्राम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान 1981-82 है और इसका विस्तृत शीर्षक "मेन वन बिलियन ग्रॉट एंड फार परचेज ऑफ फर्टीलाइजर एंड मर्चिजिज फार दि ट्रान्स्पोर्टेशन ऑफ दि फर्टीलाइजर्स टू इण्डिया" है।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं० 132-आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें बालान को मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक ऑफ इण्डिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रेशन पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), पहली मंजिल, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

जिस मामले में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्गनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में ब्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए ब्याज की गणना की गई है और इसके साथ जमा किए गए तुल्य रुपया का पूरा ब्यौरा इस विभाग की भेजना चाहिए।

समुद्रपार संभरक के बैंकर के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग खर्चों और बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो ब्रांच के अन्य खर्च इण्डियन बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव (टीए), वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखा अधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

PUBLIC NOTICE NO. 56-ITC(PN)/81

New Delhi, the 6th November, 1981

Subject : Licensing condition in respect of import of fertilizer (Urea) under the Japanese Grant Aid of Yen 1 Billion for the year 1981-82.

File No. IPC/23(19)/81.—The terms and condition governing the issuance of import licences in respect of import of fertilizer (Urea) from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 1 Billion for the year 1981-82 as given in appendix to this Public Notice are notified for information.

MANI NARAYANWAMI, Chief Controller of Imports and Exports

APPENDIX TO MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE

No. 56-ITC(PN)/81

New Delhi, the 6th November, 1981

Licensing Conditions for import of (a) fertilizer (Urea) and (b) Services necessary for the transportation of the fertilizer to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen One billion (Yen 1,000,000,000).

Section I—General Conditions

I(i) The Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen one billion (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of fertilizer (Urea) and services necessary for the transportation thereof to ports in India.

I(ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 1.110 billion (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen one billion Japanese Grant Aid for 1981-82". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN".

I(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I(iv) The fertilizer (Urea) should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I(v) The import licences will be issued on CIF basis with an initial validity upto 31-3-1982. In case the licensee needs further extension, the licensee should submit to the CCI&E a proposal seeking an extension in the validity period of the Import Licence along with full justification and explanation as to why the shipment and payments could not be completed within the initial validity period. Such requests should invariably be referred by the CCI&E to the Under Secretary (T.A.) Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi for consideration.

I(vi) The contract should be provided for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

“delivery to be completed by 15-3-1982”

I(vii) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I(viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 17th July, 1981 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen one billion for 1981-82 and will be subject to the approval of both the Governments.

II(ii) Payments to the suppliers shall be made through an “Authorisation to pay” (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1981-82.

II(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least four weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III—Contract Approval by Government of India and Japan

III(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the “Requests for issue of A/P” in the form at Annex. I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III(ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen one billion, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India, Tokyo simultaneously.

III(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an “Authorisation to Pay” (A/P) to the Bank

of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer importers Bank in India and T.C.M. Section Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III(iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV—Responsibility for rupee deposit

IV(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 9% per annum for the first thirty days and at 15% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-76. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is “K-Deposits and Advance-843-Civil Deposits-Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan” for 1981-82 grant for purchase of fertilizer/services for the transportation of the fertilizer to ports in India.

IV(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may

be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the Importer/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V—Miscellaneous provisions

V(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V(ii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V(iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from

or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1981-82 from Japan.

V(v) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V(vi) List of Annexures

Annexure I :—Request for issue of A/P

Annexure II :—Form of A/P.

"REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No. _____

To

The Controller of Aid Accounts and Audit
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject :—Import of fertilizer (Urca) and services necessary for the transportation of the fertilizer to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen One billion for 1981-82.

Sir,

In connection with the import of above mentioned fertilizer from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid—
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen)
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F Value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier and attach an eligibility certificate (in duplicate)
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/parshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of fertilizer (Urea) under Japanese Grant
Aid of Yen one billion for 1981-82. Issue of
Authorization to pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the Appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents, and charges of Overseas, Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto _____.

Yours faithfully,

Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

2. Importer's Banker _____. They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have

to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 9% per annum for the first thirty days and at the rate of 15% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of Public Notices No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of Import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits and Advances-843-CIVIL Deposits—Deposit for purchases etc. abroad Purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1981-82 under detailed head" Yen one billion grant aid for purchase of fertilizer and services for the transportation of the fertilizer to ports in India.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.